Amar Ujala, New Delhi, May 16, 2008

EXPERTS CAME TO SOLVE THE PROBLEMS OF BRT CORRIDOR

SUGGEST TO INCREASE SIGNAL TIME AND TO CLOSE RIGHT TURN

बीआरटी कॉरिडोर की समस्या दूर करने आए विशेषज्ञ

सिग्नल टाइम बढ़ाने और राइट टर्न बंद करने का सुझाव

वर्कशॉप

डिम्ट्स, राइट्स, आईआईटी के प्रतिनिधि भी हुए शामिल

देश के 10 शहरों में बीआरटी परियोजना पर हो रहा है काम

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। बस रैपिड ट्रांजिट(बीआरटी) कॉरिडोर के डिजाइन पर चर्चा करने के लिए देश विदेश के कई विशेषज्ञ एकत्रित हुए। विशेषज्ञों ने क्रॉसिंग पर सिग्नल टाइम बढ़ाने, बस शेल्टर को क्रॉसिंग से थोड़ा और दूर रखने, यात्रियों के बस शेल्टर तक पहुंचने और सड़क पार करने की बाधाएं दूर करने के सुझाव तैयार किए हैं। इंस्टिट्यूट फॉर ट्रांसपोर्टेशन एंड डेवलपमेंट प्रोग्राम(आईटीडीपी) जल्द ही वर्कशॉप में आए सुझावों को तैयार करके दिल्ली सरकार को सौंपेगा। वर्कशॉप गांधी शांति प्रतिष्ठान में आयोजित की गई थी। आईटीडीपी के कार्यकारी निदेशक वॉल्टर हुक ने अपने प्रजेंटेशन में कहा कि बीआरटी का कांसेप्ट हर स्तर पर ठीक है, लेकिन उसे क्रियान्वित करने में कुछ सुधार की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि बस लेन बीच में हो लेकिन बस क्यू शेल्टर्स क्रॉसिंग से थोड़ी और दूरी पर होनी चाहिए। वहीं, क्रॉसिंग पर सिग्नल का समय कम करने की दिशा में काम होना चाहिए। बस लेन में जहां-जहां राइट टर्न हैं, उन्हें बंद किया जाना चाहिए। ऐसा करने से कॉरिडोर परिचालन स्मूथ होगा। दिल्ली स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर के ट्रांसपोर्ट डिविजन हेड डॉ पीके सरकार, डीसीपी ट्रैफिक एस. चौधरी, डिम्ट्स के रोड ट्रांसपोर्ट हेड मनोज अग्रवाल, आईआईटी दिल्ली के विशेषज्ञ, अमेरिका के बीआरटी एक्सपर्ट क्रिस्टोफर कॉस्ट शामिल हुए। आईटीडीपी के प्रोग्राम डायरेक्टर नलिन सिन्हा का कहना है कि विश्व के 35 शहरों में बीआरटी ठीक चल रही है और देश के 10 शहरों में परियोजना पर काम हो रहा है।

कांसेप्ट में खुले तौर पर समस्याओं को दूर करने काम करना होगा। उनका कहना है कि सुझाव जल्द ही दिल्ली सरकार को भेजे जाएंगे, ताकि आगे के कॉरिडोर में परेशानी न आए।